12.5.25

पत्रावली पेश हुई। वकील प्रार्थी उपस्थित। बहस वकील उत्तरपक्ष का मनन किया गया। पत्रावली में उपलब्ध राजस्व रिकॉर्ड व प्रस्तावों का अवलोकन किया गया। उपलब्ध जमाबंदी संवत 2074-2077, में वादग्रस्त आराजियात सायलान व गैरसायलान की मुश्तरका खातेदारी व देवताओं से संबंधित ज्ञात नहीं है। सायलान गैरसायलान सहखातेदारान के विरुद्ध अस्थाई निषेधाज्ञा प्राप्त करना चाहता है। जबकि विधि अनुसार सहखातेदारान के विरुद्ध सायलान द्वारा चाही गई निषेधाज्ञा उचित प्रतीत नहीं होता है व उक्त आराजी देवताओं से संबंधित नहीं होने के कारण स्थगन का कोई औचित्य नहीं है। अतः प्रार्थना पत्र विरुद्ध गैरसायलान खारिज किया जाता है। [illegible] अनुसार होगा मामला में क्या होगा [illegible] है। आदेश सुनाया गया।

उपखण्ड अधिकारी
करौली (राज0)

Signature Not Verified
Digitally signed by Prem Raj Meena
Date: 2025.08.16 14:25:59 IST
Reason: SelfAttested